

# जाति प्रमाण-पत्र

मैं पूर्ण जानकारी के अनुसार प्रमाणित करता हूँ कि :—

- १- श्री / श्रीमती / कुमारी ..... का  
पुत्र / पुत्री / पत्नी ..... जाति मुख्यतः ..... का  
स्थाई निवास ..... देवल रखड़ी लोहभीलु उज्जूलिङ्गा —  
ज्ञापात्मक है।
- २- श्री / श्रीमती / कुमारी ..... माहूर लिंग  
जाति ..... है। और उनकी उपजाति ..... लाली (जातवाई)  
उनका धर्म ..... है। जो मध्यप्रदेश शासन द्वारा घोषित पिछड़े वर्ग की  
सूची में सम्मिलित है।

हस्ताक्षर .....  
पूरा नाम ..... तहसीलदार, एवं  
अधिकारी  
तहसील दूर्दारा (मोदाल)

नोट — यह प्रमाण-पत्र बहुत महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं तथा छात्रवृति मुख्यतः सप्रमाण पत्र के आधार पर  
दी जाती है, अतः प्रमाण-पत्र देने वाले अधिकारी को यह सलाह दी जाती है कि वह यथो-  
चित सावधानी वरहते हुए यह प्रमाण-पत्र जारी करे। कृपया नाम एवं पद की मुहर अवश्य  
लगाये।

जाति सम्बन्धी प्रमाण-पत्र देने के लिए निम्नानुक्रम प्रतिष्ठित व्यक्ति तथा शासकीय अधिकारी सक्षम हैं।

- १- संसद सदस्य, विधानसभा सदस्य
- २- जिला कलेक्टर
- ३- परियोजना अधिकारी एकीकृत आदिवासी विकास परियोजनायें
- ४- उपसंचालक, आदिम जाति कल्याण हरिजन विकास-पिछड़ा वर्ग कल्याण
- ५- जिला संयोजक, जिला अधिकारी आदिम जाति कल्याण हरिजन विकास-पिछड़ा वर्ग कल्याण
- ६- विकास चांड अधिकारी ज्ञेन संयोजक आदिम जाति कल्याण हरिजन विकास-पिछड़ा वर्ग कल्याण
- ७- दण्डाधिकारी (मजिस्ट्रेट)
- ८- म्यूनिसिपल कोसलर
- ९- तहसीलदार / नायब तहसीलदार
- १०- जनपद अध्यक्ष, ग्राम पंचायत एवं न्याय पंचायत के सरपंच
- ११- मण्डल संयोजक, आदिम जाति कल्याण, हरिजन विकास-पिछड़ा वर्ग कल्याण